भारत सरकार
संचार मंत्रालय
दूरसंचार विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1508
उत्तर देने की तारीख 4 दिसम्बर, 2024

4जी और 5जी कनेक्टिविटी सूचकांक

1508. श्री सुखजिंदर सिंह रंधावाः

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने 4जी और 5जी कनेक्टिविटी की उपलब्धता और गुणवत्ता के संबंध में कोई सूचकांक तैयार किया है;
(ख) यदि हां, तो पंजाब, विशेषकर गुरदासपुर और पठानकोट जिलों के संबंध में तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और
(घ) सरकार द्वारा पंजाब में नेटवर्क क्षमता का विस्तार करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं और इस संबंध में प्रस्तावित योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
संचार एवं ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(डॉ. पेम्मासानी चंद्र शेखर)

(क) से (ग) 4जी और 5जी कनेक्टिविटी की उपलब्धता का आकलन उस क्षेत्र में संस्थापित 4जी और 5जी बीटीएस की संख्या से किया जाता है। पंजाब के गुरदासपुर और पठानकोट जिलों में 4जी प्रौद्योगिकी के क्रमशः लगभग 2865 और 1426 बीटीएस संस्थापित है। इसके अलावा पंजाब के गुरदासपुर और पठानकोट जिलों में 5जी प्रौद्योगिकी के क्रमशः 761 और 425 बीटीएस संस्थापित है।

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) 4जी और 5जी कनेक्टिविटी की गुणवत्ता के आकलन हेतु दिशानिर्देश जारी करता है और दूरसंचार सेवा प्रदाताओं द्वारा दी जाने वाली

सेवाओं की गुणवत्ता (क्यूओएस) की निगरानी हेतु मानक निर्धारित करता है। क्यूओएस मानक के अनुपालन को सुनिश्चित करने हेतु इन मापदंडों का आकलन पूरे लाइसेंस प्राप्त सेवा क्षेत्र के लिए तिमाही आधार पर किया जाता है।

हाल ही में ट्राई ने दिनांक 2 अगस्त 2024 को मोबाइल नेटवर्क की सेवाओं की गुणवत्ता (क्यूओएस) के मानकों पर अपने संशोधित नियमों को अधिसूचित किया है। इस नियमों में 4जी और 5जी नेटवर्क हेतु सेवा की गुणवत्ता के आकलन के लिए नेटवर्क की उपलब्धता, उसकी पहुंच और स्थिरता के लिए मानक शामिल किए गए हैं।

(घ) सरकार ने सुदूरवर्ती और दुर्गम क्षेत्रों सहित देश के सभी सेवा से वंचित गांवों तक सेवा पहुंचाने हेतु 4जी सैचुरेशन परियोजना शुरू की है। इस परियोजना के तहत पंजाब राज्य के 47 गांवों की पहचान 4जी मोबाइल सेवाएं प्रदान करने के लिए की गई है। इन 47 गांवों में से 36 गांवों में 4जी सेवाएं शुरू की जा चुकी हैं।

****